UPSC Daily Current Affairs 05 Jul 2021

1. आर्कटिक का 'अंतिम हिम क्षेत्र'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, आर्कटिक के हिम का एक हिस्सा जिसे 'अंतिम हिम क्षेत्र' कहा जाता है, जो ग्रीनलैंड के उत्तर में स्थित है, संभावना के पहले ही पिघल गया।
- वैज्ञानिकों का विश्वास था कि यह क्षेत्र वैश्विक उष्णता से निपटने में सक्षम था।
- अगस्त 2020 में, वैज्ञानिकों ने देखा कि वह क्षेत्र जहां अंतिम हिम क्षेत्र (LIA) स्थित है, ने समुद्री हिम के रिकॉर्ड निचले जमाव का अनुभव किया।

अंतिम हिम क्षेत्र के बारे में जानकारी

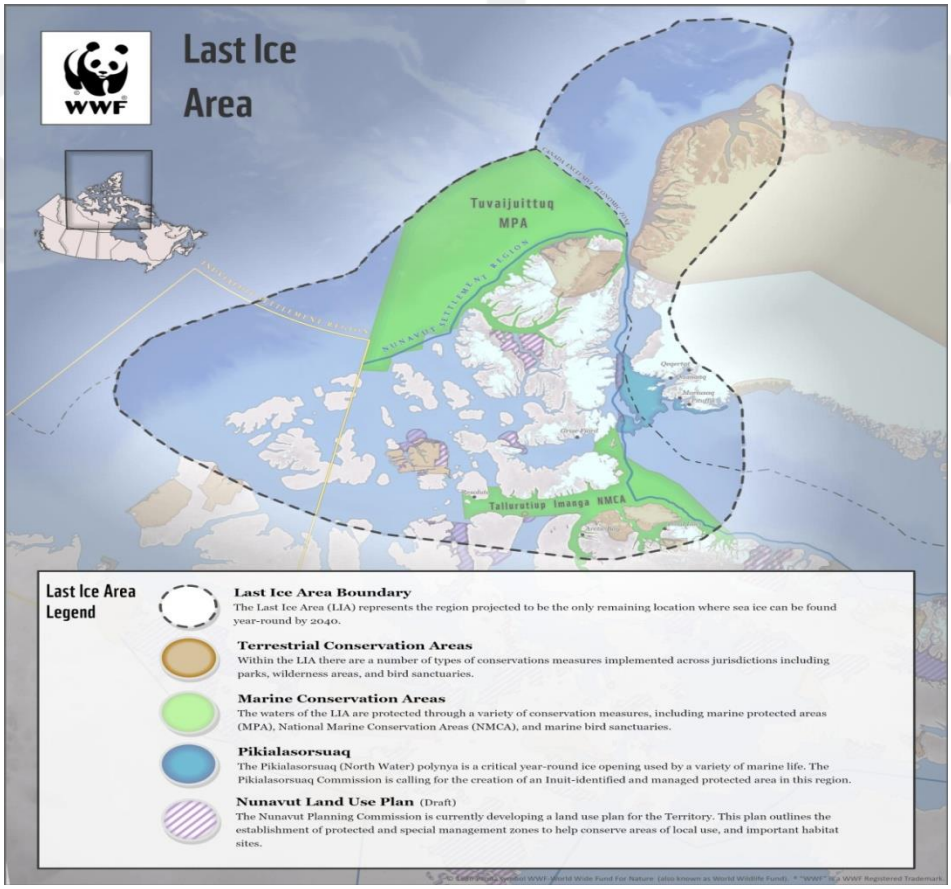

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- 2015 में प्रकाशित एक लेख में, नेशनल ज्योग्राफिक ने कहा कि मौसम अनुमान बतलाते हैं कि वर्ष 2040 तक आर्कटिक में ग्रीष्म हिम पूरी तरह से लुप्त हो जाएगी।
- यह एकमात्र स्थान है जो गर्माते मौसम से निपटने में सक्षम है। यह ऐसे हिम का क्षेत्र है जिसे 'अंतिम हिम क्षेत्र' कहा जाता था।
- **विश्व वन्यजीवन कोष (WWF)** का कहना है कि मौसम परिवर्तन आर्कटिक की ग्रीष्म हिम के दायरे को संकुचित कर रहा, जो न केवल जानवरों के लिए बल्कि स्थानीय इनयूट समुदायों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

क्षेत्र का महत्व

- यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे बर्फ पर निर्भर रहने वाली प्रजातियों की मदद में सक्षम माना जाता था जबकि चारों ओर के क्षेत्रों में बर्फ पिघल चुकी है।
- यह क्षेत्र ध्रुवीय भालुओं द्वारा सीलों के शिकार में प्रयोग किया जाता है जो अपने बच्चों के लिए घर बनाने के वास्ते बर्फ का प्रयोग करते हैं।
- **वालरस** भी, बर्फ के सतह का प्रयोग खाना ढूंढने के लिए करते हैं।
- **वालरस एक बड़ा मछली के पंखों के आकार वाले समुद्री स्तनपायी हैं जिनका आर्कटिक महासागर के उत्तरी ध्रुव और उत्तरी गोलार्ध के उपआर्कटिक समुद्रों के आसपास असतत वितरण मौजूद है।**

परिवर्तन के कारण

- उपग्रह के चित्रों के द्वारा, अनुसंधानकर्ताओं ने देखा है कि अगस्त 14, 2020 को समुद्री बर्फ का जमाव 50 के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर था।
- इस टीम ने समुद्री बर्फ के रिकॉर्ड निम्न जमाव के लिए कारणों का भी अन्वेषण किया।
- वे कहते हैं कि बर्फ का 80 प्रतिशत पिघलना मौसम से संबंधित कारकों जैसे पवन जो चारों ओर की बर्फ को तोड़कर गतिमान कर देती है, से संबंधित है।
- बाकी के 20 प्रतिशत का कारण वैश्विक उष्णता की वजह से बर्फ के दीर्घावधि पिघलने की वजह से है।

विश्वव्यापी प्रकृति कोष के बारे में जानकारी

- यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना 1961 में की गई थी जो वन संरक्षण और पर्यावरण पर मानव प्रभाव को कम करने के क्षेत्र में कार्य करता है।
- इसका मुख्यालय ग्लैंड, स्विट्ज़रलैंड में है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसका उद्देश्य प्रकृति का संरक्षण करना और पृथ्वी पर जीवन की विविधता को सबसे ज्यादा खतरे को कम करना है।

2. निपुण भारत

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सरकारी नीतियां, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग ने हाल में नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिसिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमरेसी (NIPUN Bharat) की शुरुआत की है।

खबरों में और भी है

- केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की समयसीमा को कोविड की वजह से बढ़ाकर 2026-27 कर दिया है जो पूर्व में **2025** थी।

निपुण भारत के बारे में जानकारी

- निपुण भारत का क्रियान्वयन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा किया जाएगा।
- यह एक पंचस्तरीय क्रियान्वयन तंत्र है जिसे सभी राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में राष्ट्रीय- राज्य- जिला- ब्लॉक- विद्यालय स्तर पर गठित किया जाएगा। यह केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के अंतर्गत है।

दृष्टि

- निपुण भारत मिशन की दृष्टि आधारभूत साक्षरता और गणना के सार्वभौमिक अधिग्रहण को सुनिश्चित करने के लिए एक सक्षम बनाने वाला पर्यावरण सृजित करना है जिससे प्रत्येक बच्चा पढ़ने, लिखने और गणना में 2026-27 तक ग्रेड 3 के अंत तक वांछित शिक्षा सामर्थ्यों को प्राप्त कर सके।
- निपुण भारत के राज्य सरकारों के लिए लक्ष्य निर्धारण और जवाबदेही और अध्यापक प्रशिक्षण और आकलन के लिए दिशा-निर्देश और मुद्रित संसाधनों के सृजन को उपलब्ध कराने पर ज्यादा जोर देने की संभावना है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

वित्त पोषण

- इसे समग्र शिक्षा योजना के द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।

समग्र शिक्षा के बारे में जानकारी

- यह एक **केंद्रीय प्रायोजित योजना है।**
- यह विद्यालय शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है जिसका विस्तार विद्यालय पूर्व से लेकर कक्षा 12 तक किया जाएगा जिससे विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों पर समावेशी और समान गुणवत्ता की शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।
- यह निम्नलिखित तीन योजनाओं का विलय करती है
    - सर्वशिक्षा अभियान (SSA)
    - राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA)
    - अध्यापक शिक्षा (TE).
- यह योजना विद्यालय शिक्षा को विद्यालय पूर्व से लेकर कक्षा 12 तक निरंतरता के संपूर्ण दृष्टिकोण से देखती है।
- इस योजना का मुख्य जोर दो T's- अध्यापक और तकनीक पर जोर देकर विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने पर है।
- यह योजना विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों के आरपार संक्रमण दरों के सुधार में सहायता देगी और विद्यालय शिक्षा को पूर्ण करने के लिए बच्चों को सार्वभौमिक पहुँच तक प्रोत्साहित करने में मदद देगी।
- **यह निम्नलिखित SDG लक्ष्य को पूर्ण करने में भी सहायता देगी**
    - लक्ष्य SDG-4.1 कहता है कि 2030 तक, सभी लड़के और लड़कियां अपनी मुफ्त और गुणवत्ता वाली प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी कर ले जिसके प्रासंगिक और प्रभावी शिक्षण परिणाम निकलें।
    - आगे लक्ष्य SDG 4.5 कहता है कि 2030 तक शिक्षा में लैंगिक भेदभाव को दूर करें और कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सभी स्तरों तक समान पहुँच को सुनिश्चित करें। कमजोर वर्गों में दिव्यांग लोग, स्थानीय निवासी और कमजोर परिस्थितियों वाले बच्चे शामिल हैं।

योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

a. गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान और छात्रों के शिक्षण परिणामों में उन्नति;
b. विद्यालय शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अंतरालों को भरना;
c. विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों पर समावेश और समानता को सुनिश्चित करना;
d. विद्यालय शिक्षा के प्रावधानों में न्यूनतम मानकों सुनिश्चित करना;
e. शिक्षा के व्यावसायीकरण को प्रोत्साहित करना;
f. बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (RTE) कानून, 2009 के क्रियान्वयन में राज्यों को समर्थन देना;
g. अध्यापक प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेंसियों के रूप में SCERTs/राज्य शिक्षा संस्थानों और DIET की मजबूती और उन्नयन

संबंधित सूचना

शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पहलें

PM e-VIDYA

- यह एक समग्र पहल है जो डिजिटल/ऑनलाइन/ऑन एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करता है।
- यह शिक्षा बहु प्रकार की पहुँच को सक्षम बनाएगा, इसमें शामिल हैं:
  - DIKSHA (एक देश- एक डिजिटल प्लेटफॉर्म)
  - TV (एक क्लास-एक चैनल) कक्षा 1 से 12 तक प्रत्येक के लिए प्रति ग्रेड एक समर्पित चैनल।
  - यह गुणवत्ता वाली शैक्षिक सामग्री तक पहुँच को उपलब्ध कराएगा।

SWAYAM विद्यालय और उच्च शिक्षा के लिए MOOCS प्रारूप में ऑनलाइन पाठ्यक्रम।

  - IITPAL, IIT JEE/NEET तैयारी के लिए।
  - एयर थ्रू सामुदायिक रेडियो और CBSE शिक्षा वाणी पॉडकास्ट।
  - NIOS वेबसाइट/यूट्यूब पर संकेत भाषा में डिजिटली एक्सेसिबल इंफॉर्मेशन सिस्टम (DAISY) पर अलग रूप से सक्षम लोगों के लिए अध्ययन सामग्री।

मनोदर्पण

- यह एक पहल है जिसे आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत शुरू किया गया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसका लक्ष्य कोविड-19 के दौरान छात्रों, पारिवारिक सदस्यों और अध्यापकों को उनके मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए मनोसामाजिक समर्थन प्रदान करना है।
- इस प्लेटफॉर्म में विद्यालय, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों के लिए राष्ट्रीय मुफ्त हेल्पलाइन है जिसमें अनुभवी काउंसलर, मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हैं।

महत्व

- यह मानव पूंजी को मजबूती के एक तत्व के रूप में और कोविड-19 की पृष्ठभूमि में शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ती हुई उत्पादकता के रूप में कार्य करेगा।

3. बाल सैनिक भर्ती सूची

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, कमजोर वर्ग से संबंधित मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल में पाकिस्तान और 14 अन्य देशों को बाल सैनिक भर्ती सूची में शामिल किया है।

बाल सैनिक भर्ती सूची के बारे में जानकारी

- संयुक्त राज्य बाल सैनिक निवारक कानून (CSPA) व्यक्तियों में वार्षिक तस्करी रिपोर्ट के प्रकाशन को अनिवार्य करता है। इसमें विदेशी सरकारों की एक सूची देना अनिवार्य होता है जिन्होंने पूर्व वर्ष (1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021) में बाल सैनिकों का प्रयोग अथवा भर्ती किया हो।
- यह उन विदेशी सरकारों की पहचान करती है जिनके पास सरकार द्वारा समर्थित सैन्य समूहों हो जो बाल सैनिकों को भर्ती अथवा प्रयोग करती हों। यह ऐसा नामांकन है जिसके परिणामस्वरूप कुछ सुरक्षा सहायता और सैन्य उपकरणों की व्यावसायिक लाइसेंसिंग पर रोक लगाई जा सकती है।
- इस वर्ष US राज्य विभाग की वार्षिक TIP सूची में जिन देशों को शामिल किया गया है उनमें पाकिस्तान, तुर्की, अफगानिस्तान, म्यांमार, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, ईरान, इराक, लीबिया, माली, नाइजीरिया, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सीरिया, वेनेजुएला और यमन शामिल हैं।

बाल सैनिक की परिभाषा

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- सैनिक के रूप में 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे का प्रयोग अथवा उसे भर्ती करना संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि (CRC) और जिनेवा संधियों पर अतिरिक्त प्रोटोकॉल दोनों के ही द्वारा निषिद्ध है, और इसे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रोम कानून के अंतर्गत एक युद्ध अपराध माना जाता है।

वैकल्पिक प्रोटोकॉल

- संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि के वैकल्पिक प्रोटोकॉल 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को राज्य अथवा गैर-राज्य सैन्य बलों में अनिवार्य रूप से भर्ती करने अथवा युद्ध में प्रत्यक्ष तौर पर भाग लेने पर रोक लगाते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका वैकल्पिक प्रोटोकॉल का एक पक्ष है।

बाल अधिकार संधि के बारे में जानकारी

- यह एक संधि है जिसे 1989 में संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने अपनाया था और यह 2 सितंबर, 1990 को प्रभाव में आई।
- यह प्रत्येक 18 वर्ष से नीचे के व्यक्ति की बच्चे के रूप में पहचान करती है।
- यह बिना मूलवंश, धर्म अथवा क्षमताओं पर ध्यान दिए हुए सभी बच्चों के नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों को निर्धारित करती है।
- इसमें शामिल हैं शिक्षा के अधिकार, आराम और मनोरंजन का अधिकार, मानसिक अथवा शारीरिक प्रताड़ना से संरक्षण का अधिकार, जिसमें बलात्कार और यौन शौषण भी शामिल हैं।
- **वर्तमान में, CRC की 193 देशों ने पुष्टि की है जोकि दुनिया की सबसे ज्यादा पुष्टि वाली** मानवाधिकार संधि है।
- आगे यह सैन्य बलों में किसी देश द्वारा 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को भर्ती करने पर रोक लगाता है।

नोट:

- CRC देशों से यह अपेक्षा करता है कि वे प्रत्यक्ष युद्ध में 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रयोग न करें; वैकल्पिक प्रोटोकॉल इसय आयु 18 तक बढ़ाता है।

सूची में देशों के लिए क्या निषिद्ध है?

निम्नलिखित प्रकार की सुरक्षा सहायता देशों के लिए निषिद्ध है जो सूची में हैं:

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

1. सैन्य उपकरण की प्रत्यक्ष व्यावसायिक बिक्री के लिए लाइसेंस

2. रक्षा वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए विदेशी सैन्य वित्तीयन , साथ ही डिजाइन और निर्माण सेवाएं

3. अंतरराष्ट्रीय सैन्य शिक्षा और प्रशिक्षण

4. अतिरिक्त रक्षा वस्तुएं

5. शांतिसेना ऑपरेशन

4. महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर इस्तांबुल संधि

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- IR, कमजोर वर्गों से संबंधित मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर इस्तांबुल संधि से तुर्की विवादास्पद तरीके से बाहर निकल गया जिसकी विभिन्न जगह से गंभीर आलोचना की गई और पूरे देश में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर इस्तांबुल संधि के बारे में जानकारी

- इसे महिलाओं और घरेलू हिंसा के खिलाफ हिंसा से निपटने और निवारण पर यूरोप परिषद की संधि भी कहा जाता है।
- यह महिलाओं और घरेलू हिंसा के खिलाफ यूरोप परिषद की मानवाधिकार संधि भी कहा जाता है जिसे इस्तांबुल, तुर्की में 11 मई, 2011 को हस्ताक्षर के लिए खोला गया था।
- **इस्तांबुल संधि की पुष्टि करने वाला तुर्की पहला देश था और 8 मार्च, 2012 को इसने अपने घरेलू कानून में इस्तांबुल संधि को शामिल कर लिया था।**
- इस संधि का लक्ष्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को रोकना और सजा देना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और हिंसा की शिकार महिलाओं को संरक्षण देना और उनका पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

तुर्की के हटने के कारण

- यद्यपि आधिकारिक राजपत्र में तुर्की के हटने के कारण शामिल नहीं किये गए हैं, इर्दोगान की नेशनलिस्ट पार्टी के कुछ अधिकारियों का दावा है कि यह संधि पारंपरिक परिवार संरचना को गिराती है, तलाक को बढ़ावा देती है और समाज में LGBTQ की स्वीकार्यता को प्रोत्साहित करती है।
- तुर्की के संचार महानिदेशालय ने एक वक्तव्य जारी करके कहा, "इस्तांबुल संधि जिसका मौलिक उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों को प्रोत्साहित करना था, को लोगों के एक समूह ने समलैंगिकता को सामान्य मानने के प्रयास में हाइजैक कर लिया- जिसका तुर्की के सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों के साथ तदात्म्य नहीं है जो तुर्की के इससे हटने का मुख्य कारण है"।

तुर्की में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की समस्या

- महिलाओं के खिलाफ हिंसा और ऑनर किलिंग तुर्की में काफी होते हैं।
- **वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2021 में 156 देशों में से तुर्की का स्थान 133वां है।**
- UN वीमेन डाटा के अनुसार, तुर्की में 38 प्रतिशत महिलाएं अपनी जिंदगी में अपने साथी के हाथों हिंसा का सामना करती हैं।
- तुर्की सरकार महिलाओं की हत्या पर कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं रखती है।

5. ऊष्मा गुंबद (Heat Dome)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, प्रशांत उत्तरपश्चिम और कनाडा के कुछ भागों में लगभग 46 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया, जिससे ऐतिहासिक ऊष्मा लहर (Heat wave) पैदा हो गई।
- यह उस परिघटना का परिणाम है जिसे "ऊष्मा गुंबद" कहा जाता है।

ऊष्मा गुंबद के बारे में जानकारी

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

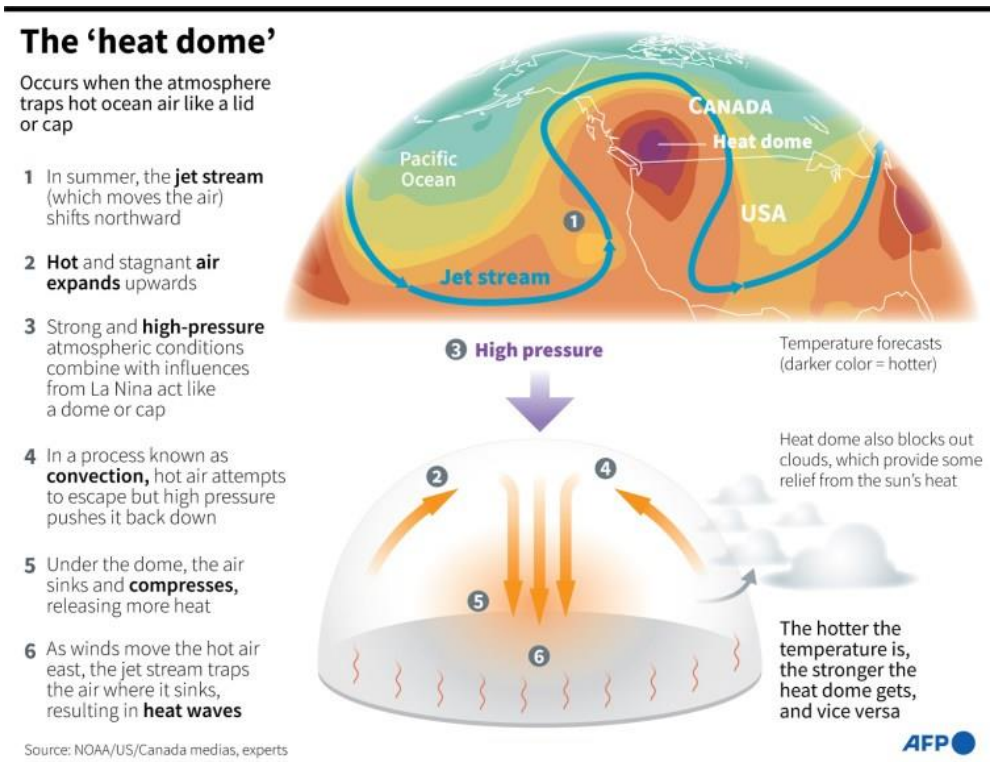

- संयुक्त राज्य अमेरिका आधारित राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) के अनुसार ऊष्मा गुंबद उस समय पैदा होता है जब उच्च दबाव वायुमंडलीय स्थितियां ला नीनी जैसे मौसम अनुक्रम के साथ संयुक्त हो जाती हैं, जिससे जबर्दस्त गर्मी के बड़े क्षेत्र पैदा होते हैं जो उच्च दबाव के गुंबदों के अंतर्गत फंस जाते हैं।

इस ऊष्मा गुंबद के कारण

- NOAA MAPP कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित वैज्ञानिकों की एक टीम ने पाया कि इस ऊष्मा गुंबद का मुख्य कारण पूर्ववर्ती जाड़े के दौरान उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में पश्चिम से पूर्व तक महासागर तापमानों में शक्तिशाली परिवर्तन (अथवा प्रवणता) है।

ऊष्मा लहरों के बारे में जानकारी

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

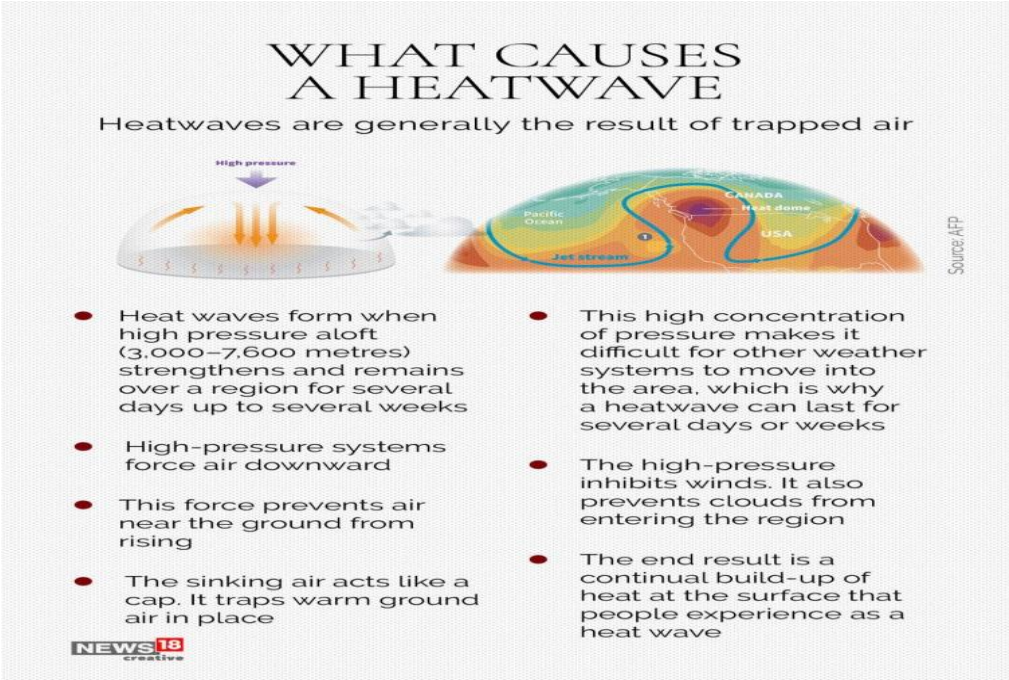

- यह असामान्य गर्म मौसम का काल होता है जो दो दिनों से ज्यादा रहता है।
- ऊष्मा लहरें आम तौर पर मार्च और जून के बीच में होती हैं, और कुछ विरल मामलों में जुलाई तक जाती हैं।
- ऊष्मा लहरें बिना आर्द्रता अथवा आर्द्रता के साथ हो सकती हैं और वे बड़े क्षेत्र को घेर सकती हैं, जिससे काफी बड़ी संख्या में लोग खतरनाक गर्मी के संपर्क में आते हैं।

6. हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, द्विवार्षिक हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS) का 7वां संस्करण रियूनियन द्वीप में फ्रांसीसी नौसेना द्वारा आयोजित किया गया।
- यह द्विवार्षिक आयोजन है जिसकी 2008 में भारतीय नौसेना ने संकल्पना की थी।

हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी के बारे में जानकारी

- यह एक ऐच्छिक और समावेशी पहल है जो हिंद महासागर क्षेत्र तटीय देशों को एक साथ लाता है जिससे समुद्री सहयोग को बढ़ाया जाए और क्षेत्रीय सुरक्षा को उन्नत किया जाए।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- यह क्षेत्रीय समुद्री मामलों पर चर्चा के लिए एक सहकारी मंच है, यह प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ एक प्रभावी प्रतियुत्तर तंत्र को विकसित करने में योगदान भी देता है।
- IONS पहल में काफी वृद्धि हुई है और वर्तमान में हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी काफी स्वीकार्यता है।
- पिछले कुछ वर्षों में, तीन IONS कार्यकारी समूहों (IWG) ने मानवतावादी सहायता एवं आपदा राहत (HADR), समुद्री सुरक्षा एवं सूचना साझेदारी एवं अंतरसंचालनीयता के क्षेत्र में प्रगति की है।

अध्यक्षता

- IONS की अध्यक्षता भारत के पास (2008-10) तक, संयुक्त अरब अमीरात के पास (2010-12) तक, दक्षिण अफ्रीका के पास (2012-14) तक, ऑस्ट्रेलिया के पास (2014-16) तक, बांग्लादेश के पास (2016-18) तक, और ईरान इस्लामिक गणराज्य के पास (2018-21) तक रही है।
- फ्रांस ने दो वर्षों की अवधि के लिए 29 जून 21 को अध्यक्षता ग्रहण की है।

7. सूखी भूमियों के लिए परियोजना बैंबू ओएसिस (BOLD)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSMEs) ने परियोजना BOLD की घोषणा की है जिसका उद्देश्य उदयपुर, राजस्थान में निचला मांडवा आदिवासी गांव में आदिवासियों के जीवन और जीवनयापन को बढ़ावा देना है।

परियोजना BOLD के बारे में जानकारी

- यह खादी और ग्राम उद्योग आयोग (KVIC) की विशिष्ट पहल है।
- परियोजना के अंतर्गत, विशेष बांस प्रजातियों के 5000 पौधों अर्थात बंबूसा तुल्डा और बंबूसा पॉलीमॉर्फा को ग्राम पंचायत भूमि के खाली बंजर इलाके के लगभग 16 एकड़ में लगाया गया है।

महत्व

- इस लक्ष्य बंजर और अर्ध बंजर भूमि क्षेत्रों में बांस आधारित हरित पट्टियों को सृजित करना है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह प्रधानमंत्री मोदी के 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर अपक्षय भूमि की पुनर्बहाली के आह्वान के अनुरूप है।
- गुजरात, लेह-लद्दाख और राजस्थान में बांस की हरित पट्टियां देश की खराब भूमि के प्रतिशत को कम करने में मदद देंगी।
- **भारत मरुस्थलीकरण रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र संधि का हस्ताक्षरकर्ता है।**

भूमि अपक्षय होने के बारे में जानकारी

- यह एक प्रक्रिया है जिसमें जैवभौतिक पर्यावरण का मूल्य भूमि पर कार्य करने वाले मानव प्रेरित प्रक्रियाओं के संयोजन से प्रभावित होता है।
- भूमि के अपक्षय होने के पीछे कई शक्तियां कार्य करती हैं जिसमें चरण मौसम स्थितियां, विशेष रूप से सूखा शामिल हैं।

भूमि के अपक्षय को रोकने के लिए वैश्विक प्रयास

- मरुस्थलीकरण रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र संधि (UNCCD).
- 2019 की दिल्ली घोषणा, जिसपर UNCCD के 14वें CoP द्वारा हस्ताक्षर किए गए, इसने भूमि पर बेहतर पहुँच और प्रबंधन का आह्वान किया।
- बोन चुनौती
- ग्रेट ग्रीन वाल पहल
- सूखा पहल
- भूमि अपक्षय निष्क्रियता कार्यक्रम

भूमि अपक्षय रोकने के लिए भारत के प्रयास:

- 2001 में मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई कार्यक्रम।
- एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना)
- हरित भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन
- राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना
- नदी घाटी परियोजना के जलग्रहण में मृदा संरक्षण
- कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन कार्यक्रम

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

gradeup

Gradeup UPSC Exams
Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All
Structured Courses
& Test Series
ENROL NOW